पंजाब केसरी
FRI,03 OCTOBER 2025
EDITION: SONIPAT KESARI, PAGE NO. 4

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में लैक्चर सीरीज का आयोजन

गोहाना, 2 अक्तूबर (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय में फिजिक्स, कैमिस्ट्री एवं एन्वायरनमैंटल साइंस विभाग द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में लैक्चर सीरीज का आयोजन किया गया।

हरियाणा स्टेट कौंसिल फॉर साइंस इनोवेशन एंड टैक्नोलॉजी के इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की बायो कैमिस्ट्री विभाग की प्रो. सुमन ढांडा थीं। मुख्य अतिथि महिला विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो. सुदेश और विशिष्ट अतिथि नैशनल फिजिकल लैबोरेटरी के पूर्व वैज्ञानिक डॉ. राजेंद्र प्रसाद पंत रहे।

'सतत विकास में आधारभूत विज्ञान की भूमिका' विषय पर बोलते हुए प्रो. सुमन ढांडा ने कहा कि सतत विकास ऐसा हो जो वर्तमान पीढ़ी की आवश्यकताओं को पूरा करे, परंतु भावी पीढ़ियों के संसाधनों से समझौता न करे। इस लक्ष्य को प्राप्त करने में बेसिक विज्ञान की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

लैक्चर सीरीज का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए प्रो. सुदेश। (अरोड़ा)

प्रो. ढांडा ने कहा कि विज्ञान की नींव भौतिकी, रसायन, जीव विज्ञान, गणित और पर्यावरण विज्ञान जैसे विषयों पर टिकी है। यही यह समझने में मदद करता है कि प्रकृति कैसे कार्य करती है, जलवायु परिवर्तन क्यों होता है, ऊर्जा का संरक्षण कैसे किया जाए या जैव विविधता की रक्षा कैसे की जाए।

वी.सी. प्रो. सुदेश ने कहा कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस यह जिज्ञासा, नवाचार और तार्किक सोच की भावना को सम्मानित करने का अवसर है, वही भावना जो विज्ञान की नींव है। विज्ञान केवल एक विषय नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक पद्धति है। यह हमें प्रश्न पूछने, प्रयोग करने और नए आयामों की खोज करने की प्रेरणा देता है।

इस अवसर पर रजिस्ट्रार प्रो. शिवालिक यादव के साथ प्रो. सुनील सांगवान, प्रो. भूपेंद्र सिंह, डॉ. आशा दहिया, डॉ. शीला मलिक आदि भी मौजूद रहे।

भावी पीढ़ियों के संसाधनों से समझौता न करे विकास

गोहाना मुद्रिका, 2 अक्तूबर : बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय में फिजिक्स, केमिस्ट्री एवं एनवायर्नमेंटल साइंस विभाग द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में लेक्चर सीरीज का आयोजन किया गया। हरियाणा स्टेट कौंसिल फॉर साइंस इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी के इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की बायो केमिस्ट्री विभाग की प्रो. सुमन ढांडा थीं। मुख्य अतिथि महिला विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो सुदेश और विशिष्ट अतिथि नेशनल फिजिकल लेबोरेटरी के पूर्व वैज्ञानिक डॉ राजेंद्र प्रसाद पंत रहे।

"सतत विकास में आधारभूत विज्ञान की भूमिका" विषय पर बोलते हुए प्रो सुमन ढांडा ने कहा कि सतत विकास ऐसा हो जो वर्तमान पीढ़ी की आवश्यकताओं को पूरा करे, परंतु भावी पीढ़ियों के संसाधनों से समझौता न करे। इस लक्ष्य को प्राप्त करने में बेसिक विज्ञान की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

प्रो ढांडा ने कहा कि विज्ञान की नींव भौतिकी, रसायन, जीव विज्ञान, गणित और पर्यावरण विज्ञान जैसे विषयों पर टिकी है। यही यह समझने में मदद करता है कि प्रकृति कैसे कार्य करती है, जलवायु परिवर्तन क्यों होता है, ऊर्जा का संरक्षण कैसे किया जाए, या जैव विविधता की रक्षा कैसे की जाए।

वी.सी. प्रो सुदेश ने कहा कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस यह जिज्ञासा, नवाचार और तार्किक सोच की भावना को सम्मानित करने का अवसर है, वही भावना जो विज्ञान की नींव है। विज्ञान केवल एक विषय नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक पद्धति है। यह हमें प्रश्न पूछने, प्रयोग करने और नए आयामों की खोज करने की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर रजिस्ट्रार प्रो शिवालिक यादव के साथ प्रो. सुनील सांगवान, प्रो. भूपेंद्र सिंह, डॉ. आशा दहिया, डॉ. शीला मलिक आदि भी मौजूद रहे।

बीपीएस विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में लैक्चर सीरीज का आयोजन

गोहाना, 1 अक्तूबर (रामनिवास धीमान): उपमंडल के गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में आज फिजिक्स, केमिस्ट्री एवं एनवायर्नमेंटल साइंस विभाग द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में लेक्चर सीरीज का आयोजन हरियाणा स्टेट कौंसिल फॉर साइंस इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी , हरियाणा सरकार द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र की बायो केमिस्ट्री विभाग की प्रोफेसर सुमन ढांडा ने छात्राओं को सम्बोधित किया। वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद के अंतर्गत नेशनल फिजिकल लेबोरेटरी नई दिल्ली के पूर्व वैज्ञानिक डॉ राजेंद्र प्रसाद पंत में विशिष्ट अतिथि पहुंचे। सतत् विकास में आधारभूत विज्ञान की भूमिका विषय पर बोलते हुए प्रो सुमन ढांडा ने कहा कि सतत विकास का अर्थ है – ऐसा विकास जो वर्तमान पीढ़ी की आवश्यकताओं को पूरा करे, परंतु आने वाली पीढ़ियों के संसाधनों से समझौता न करे। प्रो ढांडा ने बताया कि विज्ञान की नींव भौतिकी, रसायन, जीव विज्ञान, गणित और पर्यावरण विज्ञान जैसे विषयों पर टिकी है। बतौर मुख्य अतिथि कुलपति ने छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम में महान भारतीय वैज्ञानिक सर सी.वी. रमन की उस ऐतिहासिक खोज (रमन प्रभाव) को स्मरण करने का दिन है, जिसके लिए उन्हें सन् 1930 में भौतिकी का नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया था। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो शिवालिक यादव, प्रो सुनील सांगवान, प्रो भूपेंदर सिंह,डॉ आशा दहिया व डॉ शीला मलिक भी मौजूद रहे।

दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करते कुलपति प्रो. सुदेश।

डॉ. राजबाला 19 वर्ष से अधिक की सेवा उपरांत सेवानिवृत्त, किया सम्मानित

गोहाना, 1 अक्तूबर (रामनिवास धीमान): उपमंडल के गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में एक गैर शिक्षक अधिकारी विश्वविद्यालय सेवा से निवृत हो गए हैं। महिला

सेवानिवृत्त अधिकारी को प्रशंसा पत्र भेंट करते हुए कुलसचिव एवं अन्य।

विश्वविद्यालय के माड़ू सिंह मेमोरियल आयुर्वेदिक संस्थान में आयुर्वेद मेडिकल अफसर के पद पर कार्यरत डॉ राजबाला 19 वर्ष से अधिक की सेवा उपरांत आज सेवानिवृत्त हो गए। अपने संदेश में कुलपति प्रो. सुदेश ने सेवानिवृत्त अधिकारी के कार्यकाल की सराहना की और उन्हें सुखद एवं स्वस्थ जीवन की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के विकास में यहाँ कार्यरत कर्मचारियों व अधिकारियों का अभूतपूर्व योगदान रहा है। कुलसचिव प्रो. शिवालिक यादव ने सेवानिवृत हुए अधिकारी को सराहना पत्र भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के डीन ऐकडेमिक अफेयर्स प्रो विजय नेहरा , परीक्षा नियंत्रक डॉ संदीप दहिया , आयुर्वेद के प्राचार्य डॉ ए पी नायक , डीन आयुर्वेदा डॉ सत्य प्रकाश गौतम ने सेवानिवृत्त अधिकारी के कार्यकाल की प्रशंसा करते हुए सुखद भविष्य की मंगलकामनाएं दी।

बीपीएस महिला विश्वविद्यालय में लेक्चर सीरीज का आयोजन

पल पल न्यूजः गोहाना, 1 अक्टूबर (अनिल जिंदल)। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां में फिजिक्स, केमिस्ट्री एवं एनवायर्नमेंटल साइंस विभाग द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के पर लेक्चर सीरीज का आयोजन। कार्यक्रम हरियाणा स्टेट कौंसिल फॉर साइंस इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी, हरियाणा सरकार द्वारा प्रायोजित किया गया। जिसमें बतौर मुख्य वक्ता कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र की बायो केमिस्ट्री विभाग की प्रोफेसर सुमन ढांडा ने छात्राओं को संबोधित किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने शिरकत की। वहीं वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद के अंतर्गत नेशनल फिजिकल लेबोरेटरी नई दिल्ली के पूर्व वैज्ञानिक डॉ. राजेंद्र प्रसाद पंत में विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में उपस्थित हुए। प्रो. सुमन ढांडा ने कहा कि सतत विकास का अर्थ है ऐसा विकास जो वर्तमान पीढ़ी की आवश्यकताओं को पूरा करे, परंतु आने वाली पीढ़ियों के संसाधनों से समझौता न करे। इस लक्ष्य को प्राप्त करने में बेसिक विज्ञान की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि विज्ञान की नींव भौतिकी, रसायन, जीव विज्ञान, गणित और पर्यावरण विज्ञान जैसे विषयों पर टिकी है। कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर महान भारतीय वैज्ञानिक सर सीवी रमन की उस ऐतिहासिक खोज, रमन प्रभाव को स्मरण करने का दिन है। जिसके लिए उन्हें सन 1930 में भौतिकी का नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया था। इस अवर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. शिवालिक यादव, प्रो. सुनील सांगवान, प्रो. भूपेंदर सिंह, डॉ. आशा दहिया व डॉ. शीला मलिक मौजूद रहे।

बीपीएस महिला विश्वविद्यालय मे विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में लेक्चर सीरीज का आयोजन

जन जागरण संदेश

खानपुर कलां / गोहाना (अनिल जिंदल), 01 अक्टूबर। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां में आज फिजिक्स, केमिस्ट्री एवं एनवायर्नमेंटल साइंस विभाग द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में लेक्चर सीरीज का आयोजन। हरियाणा स्टेट कौंसिल

फॉर साइंस इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी , हरियाणा सरकार द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र की बायो केमिस्ट्री विभाग की प्रोफेसर सुमन ढांडा ने छात्राओं को सम्बोधित किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सुदेश उपस्थित रही वहीं वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद के अंतर्गत नेशनल फिजिकल लेबोरेटरी नई दिल्ली के पूर्व वैज्ञानिक डॉ राजेंद्र प्रसाद पंत में विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शिरकत की। "सतत विकास में आधारभूत विज्ञान की भूमिका" विषय पर बोलते हुए प्रो सुमन ढांडा ने कहा कि सतत विकास का अर्थ है – ऐसा विकास जो वर्तमान पीढ़ी की आवश्यकताओं को पूरा करे, परंतु आने वाली पीढ़ियों के संसाधनों से समझौता न करे। इस लक्ष्य को प्राप्त करने में बेसिक विज्ञान की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रो ढांडा ने बताया कि विज्ञान की नींव भौतिकी, रसायन, जीव विज्ञान, गणित और पर्यावरण विज्ञान जैसे विषयों पर टिकी है। यही आधारभूत विज्ञान हमें यह समझने में मदद करता है कि प्रकृति कैसे कार्य करती है – जलवायु परिवर्तन क्यों होता है, ऊर्जा का संरक्षण कैसे किया जाए, या जैव विविधता की रक्षा कैसे की जाए। आज जब हम जलवायु संकट, प्रदूषण, और संसाधनों की कमी जैसी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, तब वैज्ञानिक सोच और मूलभूत अनुसंधान ही हमें नए समाधान प्रदान कर सकते हैं – जैसे स्वच्छ ऊर्जा स्रोत, हरित प्रौद्योगिकी, और सतत कृषि पद्धतियाँ। इसलिए, हमें न केवल उच्च तकनीक पर ध्यान देना चाहिए, बल्कि मूल विज्ञान में निवेश और अनुसंधान को प्रोत्साहन देना चाहिए। क्योंकि बिना मजबूत नींव के कोई भी इमारत टिक नहीं सकती, वैसे ही बिना आधारभूत विज्ञान के सतत विकास संभव नहीं। कुलपति प्रो सुदेश ने छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम में महान भारतीय वैज्ञानिक सर सी.वी. रमन जी की उस ऐतिहासिक खोज – रमन प्रभाव – को स्मरण करने का दिन है, जिसके लिए उन्हें सन् 1930 में भौतिकी का नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया था। यह दिवस केवल एक वैज्ञानिक उपलब्धि का उत्सव नहीं है, बल्कि यह जिज्ञासा, नवाचार और तार्किक सोच की भावना को सम्मानित करने का अवसर है – वही भावना जो विज्ञान की नींव है। कुलपति ने कहा कि विज्ञान केवल एक विषय नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक पद्धति है। यह हमें प्रश्न पूछने, प्रयोग करने और नए आयामों की खोज करने की प्रेरणा देता है। कुलपति ने कहा कि बात जहां सतत विकास की आती है तो महिला विश्वविद्यालय लगभग 100 वर्ष पूर्व ही सतत विकास के लक्ष्य की और बढ़ चला था। इस अवर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो शिवालिक यादव, प्रो सुनील सांगवान , प्रो भूपेंदर सिंह , डॉ आशा दहिया व डॉ शीला मलिक भी मौजूद रहे।

विज्ञान जीवन जीने की एक पद्धति : प्रो. सुदेश

वि. गोहाना : बुधवार को भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में फिजिक्स, केमिस्ट्री एवं एनवायर्नमेंटल साइंस विभाग द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में लेक्चर सीरीज का आयोजन किया गया। हरियाणा स्टेट कौंसिल फार साइंस इनोवेशन एंड टेक्नोलाजी द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश रहीं। विशिष्ट अतिथि नेशनल फिजिकल लेबोरेटरी नई दिल्ली के पूर्व वैज्ञानिक डा. राजेंद्र प्रसाद पंत रहे। प्रो. सुदेश ने कहा कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस केवल एक वैज्ञानिक उपलब्धि का उत्सव नहीं है बल्कि यह जिज्ञासा, नवाचार और तार्किक सोच की भावना को सम्मानित करने का अवसर है। मुख्य वक्ता कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से बायो केमिस्ट्री विभाग की प्रो. सुमन ढांडा ने कहा कि सतत विकास का अर्थ ऐसे विकास से है जो वर्तमान पीढ़ी की आवश्यकताओं को पूरा करे लेकिन आने वाली पीढ़ियों के संसाधनों से समझौता न करे।

मूल विज्ञान में निवेश और अनुसंधान को प्रोत्साहन जरूरी

- राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में लेक्चर सीरीज का आयोजन किया

हरिभूमि न्यूज ▸▸ गोहाना

भगत फूल सिंह महिला विवि खानपुर कलां में बुधवार को फिजिक्स, केमिस्ट्री एवं एनवायर्नमेंटल साइंस विभाग द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में लेक्चर सीरीज का आयोजन किया गया। हरियाणा स्टेट कौंसिल फॉर साइंस इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी, हरियाणा सरकार द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विवि की कुलपति प्रो. सुदेश थीं। विशिष्ट अतिथि वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद के अंतर्गत नेशनल फिजिकल लेबोरेटरी नई दिल्ली के पूर्व वैज्ञानिक डॉ. राजेंद्र

गोहाना। दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करते कुलपति प्रो. सुदेश।

प्रसाद पंत रहे। मुख्य वक्ता कुरुक्षेत्र विवि कुरुक्षेत्र से बायो केमिस्ट्री विभाग की प्रो. सुमन ढांडा ने कहा कि सतत विकास का अर्थ ऐसे विकास से है जो वर्तमान पीढ़ी की आवश्यकताओं को पूरा करे लेकिन आने वाली पीढ़ियों के संसाधनों से समझौता न करे। इस लक्ष्य को प्राप्त करने में बेसिक विज्ञान की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रो. ढांडा ने बताया कि विज्ञान की नींव भौतिकी, रसायन, जीव विज्ञान, गणित और पर्यावरण विज्ञान जैसे विषयों पर टिकी है। यही आधारभूत विज्ञान हमें यह समझने में मदद करता है कि प्रकृति कैसे कार्य करती है। जलवायु परिवर्तन क्यों होता है, ऊर्जा का संरक्षण कैसे किया जाए।

सीवी रमन को स्मरण करने का दिन

कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि इस कार्यक्रम में महान भारतीय वैज्ञानिक सर सीवी रमन की उस ऐतिहासिक खोज रमन प्रभाव को स्मरण करने का दिन है जिसके लिए उन्हें सन 1930 में भौतिकी का नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया था। उन्होंने कहा कि यह दिवस केवल एक वैज्ञानिक उपलब्धि का उत्सव नहीं है बल्कि यह जिज्ञासा, नवाचार और तार्किक सोच की भावना को सम्मानित करने का अवसर है। कुलपति ने कहा कि विज्ञान केवल एक विषय नहीं बल्कि जीवन जीने की एक पद्धति है। यह हमें प्रश्न पूछने, प्रयोग करने और नए आयामों की खोज करने की प्रेरणा देता है।

बीपीएस में आयोजित लेक्चर सीरीज में सतत विकास में आधारभूत विज्ञान की भूमिका पर डाला प्रकाश

विज्ञान की नींव भौतिकी, रसायन, जीव विज्ञान, गणित जैसे विषयों पर टिकी : प्रो. सुमन ढांडा

भास्कर न्यूज | गोहाना

कुरुक्षेत्र विवि के बायो केमिस्ट्री विभाग की प्रोफेसर सुमन ढांडा ने कहा कि विज्ञान की नींव भौतिकी, रसायन, जीव विज्ञान, गणित और पर्यावरण विज्ञान जैसे विषयों पर टिकी है। यही आधारभूत विज्ञान हमें यह समझने में मदद करता है कि प्रकृति कैसे कार्य करती है। इसके अलावा जलवायु परिवर्तन क्यों होता है, ऊर्जा का संरक्षण कैसे किया जाए या जैव विविधता की रक्षा कैसे की जाए। वे बुधवार को बीपीएस महिला विवि में फिजिक्स, केमिस्ट्री एवं एनवायरमेंटल साइंस विभाग द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में लेक्चर सीरीज में बतौर मुख्य वक्ता छात्राओं को संबोधित कर रही थी। हरियाणा स्टेट काउंसिल फॉर साइंस इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम में मेजबान विवि की कुलपति प्रो. सुदेश मुख्य अतिथि रहीं। वहीं वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद के अंतर्गत नई दिल्ली की नेशनल फिजिकल लेबोरेटरी के पूर्व वैज्ञानिक डॉ. राजेंद्र प्रसाद पंत विशिष्ट अतिथि रहे।

प्रो. सुमन ढांडा ने सतत विकास में आधारभूत विज्ञान की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ऐसा विकास जो वर्तमान पीढ़ी की आवश्यकताओं को पूरा करे, लेकिन आने वाली पीढ़ियों के संसाधनों से समझौता न करे, वही सतत विकास का अर्थ है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने में बेसिक विज्ञान की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज जब हम जलवायु संकट, प्रदूषण, और संसाधनों की कमी जैसी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, तब वैज्ञानिक सोच और मूलभूत अनुसंधान ही हमें नए समाधान प्रदान कर सकते हैं। इसलिए हमें न केवल उच्च तकनीक पर ध्यान देना चाहिए, बल्कि मूल विज्ञान में निवेश और अनुसंधान को प्रोत्साहन देना चाहिए। जिस तरह बिना मजबूत नींव के कोई भी इमारत टिक नहीं सकती, वैसे ही बिना आधारभूत विज्ञान के सतत विकास संभव नहीं है। वहीं प्रो. सुदेश ने कहा कि आज महान भारतीय वैज्ञानिक सीवी रमन की उस ऐतिहासिक खोज, रमन प्रभाव को स्मरण करने का दिन है, जिसके लिए उन्हें 1930 में भौतिकी का नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया था। इस मौके पर कुलसचिव प्रो. शिवालिक यादव, प्रो. सुनील सांगवान, प्रो. भूपेंद्र सिंह, डॉ. शीला मलिक आदि मौजूद रहे।

NATIONAL SCIENCE DAY MARKED

Sonepat: Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya, Khanpur Kalan, celebrated National Science Day with a special lecture series organised by the Departments of Physics, Chemistry, and Environmental Science. The event was sponsored by the Haryana State Council for Science, Innovation, and Technology. Prof Suman Dhanda from Kurukshetra University delivered the keynote address on "Role of Basic Science in Sustainable Development". She emphasised that basic sciences-physics, chemistry, biology, mathematics and environmental science-form the foundation for understanding nature and developing solutions to challenges such as climate change, energy conservation and biodiversity protection. Vice Chancellor Prof Sudesh encouraged students to embrace curiosity, innovation and scientific thinking as essential tools for sustainable development. Dr Rajendra Prasad Pant, former scientist at CSIR-National Physical Laboratory, Registrar Prof Shivalik Yadav, Prof Sunil Sangwan, Prof Bhupender Singh, Dr Asha Dahiya, and Dr Sheela Malik were present on the occasion.